अक्तूबर 2015

कॉर्पोरेट न्यूज़

एचएलएल का न्यूज़लेटर

एचएलएल ने रु.466 लाख लाभांश दिया

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा को लाभांश का चैक देते हैं। साथ हैं केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री बी.पी.शर्मा, अपर सचिव एवं आर्थिक सलाहकार श्रीमती विजय श्रीवास्तव, अपर सचिव श्री एन.एस कांग, संयुक्त सचिव श्रीमती धरित्री पांडा, एचएलएल के निदेशक श्री आर.पी. खण्डेलवाल, डॉ. के.आर.एस कृष्णन आदि।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने लगातार चौथे वर्ष में भी व्यापारवर्त में रु. 100 करोड से अधिक प्राप्त किया और वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्राप्त किया रु. 4.66 करोड का लाभांश केंद्र सरकार को दिया। पिछले वित्तीय वर्ष के रु. 1590 करोड के व्यापारावर्त के स्थान पर इस साल में यह रु. 1,678 करोड तक बढ गया।

नई दिल्ली में आयोजित समारोह के अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा को लाभांश का चेक हस्तांतरित किया। इस अवसर पर केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री बी.पी. शर्मा, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार श्रीमती विजय श्रीवास्तव, अपर सचिव श्री एन.एस कांग, संयुक्त सचिव श्रीमती धरित्री पांडा, एचएलएल के निदेशक श्री आर.पी खण्डेलवाल, डॉ. के.आर.एस. कृष्णन आदि उपस्थित थे। केंद्र मंत्री श्री. जे.पी नड्डा ने एचएलएल के इस द्रुत गति की लगातार वृद्धि की खूब सराहना की। डॉ.एम. अय्यप्पन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2014-15 के रु. 1058.04 करोड का आमदनी से कंपनी को 12.35 प्रतिशत वृद्दि प्राप्त कर सकी। पिछले साल की आमदनी रु. 941.68 करोड थी। उत्पादन एवं सेवा के क्षेत्र से पिछले वित्तीय वर्ष में कंपनी रु. 1000 करोड पार सका।

देशीय गर्भनिरोधन योजना के लिए गुणवत्ता वाले गर्भनिरोधकों को उपलब्ध कराने के लक्ष्य से केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्यांण मंत्रालय के अधीन वर्ष 1966 में तिरुवनंतपुरम में प्रारंभित हिंदुस्तान लैटेक्स लिमिटेड के नाम पर प्रारंभित मिनिरत्ना कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के छत्रछाया में आज एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एचबीएल), एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्वीसस लिमिटेड (हाईडस), लाइफस्प्रिंग अस्पताल, गोवा एंटिबायोटिक्स एंड फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड (जीएपीएल), हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास एचएलएफपीपीटी), एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) आदि सात संस्थायें हैं। एचएलएल में गर्भनिरोधक, अस्पताल उपायें, दवाये, व्यक्ति स्वच्छता का उत्पाद तथा अन्य रोगनिर्णय सेवायें उपलब्ध हैं।

टीड टॉक सीरीस का प्रारंभ

टीड टॉक लेक्चर सीरीस में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन भाषण देते हैं।

टीड टॉक सीरीस का प्रारंभ विभिन्न रोज़गार संस्कृति रूपायित करने के हिस्से के रूप में एचएचएल द्वारा कार्यान्वित कर रहे नूतन पहल ही एचएलएल को अन्य संस्थाओं से विशेष बना देता है। सभी लोग हाथ पकड कर गा रहे कॉर्पोरेट गीत, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ एक साथ काम करने की प्रतिज्ञा ले रहे एचएलएल के मूल्य पत्र, उपलब्धियों का जश्न मनाना और काम में उत्कृष्ट निष्पादन प्राप्त करने वालों को अभिनंदन कर रहे विजय दिवस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेश को सीधे संपर्क करने का अवसर प्रदान करनेवाले एच टु एच प्रणाली, 'थिंक टैंक' लेक्चर सीरीस आदि केवल एचएलएल की विशेषताएँ हैं। इस श्रेणी में कंपनी एक नूतन पहल प्रारंभ की जाती है।

"टीड टॉक" नाम से पुकारे लेकचर सीरीस अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेश डॉ. एम.अय्यप्पन अपने आप प्रस्तुत करते हैं। 'टीड टॉक' का मतलब है - थिंक डिफरेंट (अलग रूप से सोचना)। व्यापारावर्त बढाना , उत्कृष्ट लाभ प्राप्त कराना आसान है लेकिन विश्वास बनाये रखने और स्थायी वृद्धि प्राप्त करने केलिए अन्य कुछ पहलुएँ अनिवार्य हैं। मूल्य में अट ल रहनेवाली रोज़गार संस्कृति ही सबसे महत्वपूर्ण है। स्थायी सफलता प्राप्त करने के लिए एक-एक व्यक्ति और संस्थान को मूल्याधिष्ठित कार्य और दृष्टिकोण अति आवश्यक है।

डॉ एम. अय्यप्पन ने कहा - अलग रूप से सोचना, समाज की भलाई केलिए प्रयत्न करना, उसके द्वारा संस्था को उन्नत श्रेणी में पहूँचाना आदि "टीड टोक" लेकचर्र सीरीस द्वारा लक्ष्य किया जाता है। इस श्रेणी के प्रथम भाषण कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधकों के लिए अक्तूबर 6 को एचएलएल प्रबंधन अकादमी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्घाटन भाषण में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा सही ढंग से कार्य करने में नहीं बल्कि कैसे दूसरों के बीच में आदर्श व्यक्ति बन जाना है इसमें हमारा ध्यान होना है। अनुशासन के महत्व और 2020 की दृष्टिकोण के बारे में उन्होंने भाषण में विस्तृत रूप से बताया।

इस श्रेणी के दूसरा भाषण कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक , उप महा प्रबंधक के स्तर के अधिकारियों के लिए अक्तूबर 28 को आयोजित किया गया। तीसरा भाषण नवंबर 6 को दिल्ली में आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र के प्रतिभाओं को बनाने के लिए एचएमए में प्रापण प्रशिक्षण

प्रापण प्रबंधन विषय पर एचएलएल मैनेजमेंट अकादमी द्वारा तिरुवनंतपुरम में आयोजित पाँच दिवसीय अंतर्देशीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम. अय्यप्पन कर रहे है।

स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र के संभरण क्षेत्र में श्रेष्ठ पेशेवारों को सृजित करने के लक्ष्य के साथ एचएलएल मैनेजमेंड अकादमी द्वारा 6 अक्तूर, 2015 से 10 तक तिरुवनंतपुरम में पाँच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने उद्घाटन किया।

केंद्र स्वास्थ्य मंत्रालय, एचएलएल और विश्वा बैंक ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। उद्घाटन भाषण में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा - वैश्विक स्तर में स्वास्थ्य क्षेत्र के श्रेष्ठ प्रतिभाओं को सृजित करना हमारा लक्ष्य है और पूर्व वर्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, अच्छी भागीदारी से आकर्षक था।

स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र की नई नीतियाँ, सेवा स्तर के मानदंण्ड, भ्रष्टाचार रहित सेवा सुनिश्चित करना, ठेका प्रबंधन, ई-प्रापण आदि कार्यक्रम के मुख्य विषय रहे थे । दवाएँ, वैक्सीन, अस्पताल उपकरणों, बायोमेडिकल उपकरण आदि के संभरण के संबंध में ध्यान देने के विषय के बारे में भी चर्चाएँ की गयीं।

भूतपूर्व केंद्र सचिव श्री पूर्णलिंगम, यु एन और डब्लियुएचओ के पूर्व प्रापण विशेषज्ञ और अध्यापिका सुश्री करोलिन बोरगान, विश्व बैंक क्षमता निर्माण समन्वयक श्री ए.के.कलेष कुमार, आग्लोस्केप निदेशक प्रो. मोहनदास एन.के., एचएलएल के निदेशक (वित्त) श्री आर.पी खण्डेलवाल आदि ने उद्घाट न समारोह में भाग लिया। श्रीलंका, स्पेईन, नेपाल, न्यूसिलान्ड आदि देशों से प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिए।

हिंदी पखवाड़ा समारोह की शुरुआत

एचएलएल और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के हिंदी पखवाड़ा समारोह के उद्घाटन एचएलएल निगमित आर : डी केंद्र में केरल राज्य के प्रधान सचिव (राजस्व) डॉ. विश्वास मेहता द्वारा किया गया। पास हैं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन।

एचएलएल और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के हिंदी पखवाड़ा समारोह का उद्घाटन एचएलएल निगमित आर & डी केंद्र में केरल राज्य के प्रधान सचिव (राजस्व) डॉ.विश्वास मेहता ने किया। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने समारोह में अध्यक्ष की भूमिका निभाई।

डॉ.विश्वास मेहता ने कहा कि यह अभिनंदन करने की बात है कि राजभाषा के रूप में विराजित हिंदी भाषा को बढ़ावा देने में एचएलएल सर्वप्रथम हैं। 9 बार राष्ट्रीय हिंदी पुरस्कार प्राप्त करना, श्रीमति इंदिराम्मा (पेरूरकड़ा फैक्टरी) को गौरव पुरस्कार प्राप्त करना आदि कंपनी द्वारा हिंदी भाषा को दिए महत्व दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की सफलता पहचानने से ही जीवन सार्थक बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस तरह केरल में आया हूँ। यहाँ भाषा न जानने से मुझे किसी भी तरह की कठिनाई नहीं हुई। उन्होंने जोडा कि केरल के लोग हिंदी को पूर्ण मन से अपना लिया है।

डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा के सिलसिले में कंपनी के कर्मचारी और उनके बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ चलायी जाएंगी।

हिंदी के प्रचार-प्रसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में हिंदी एक पाठ्यविषय के रूप में बदल चुकी है। हिंदी के प्रयोग को अधिकतम बढ़ाने के लिए कंपनी प्रतिज्ञाबद्ध है।

पखवाड़ा के सिलसिले में हिंदी भाषण प्रतियोगिता, टिप्पण व आलेखन, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी देशभक्ति गीत, सिनेमा गीत आदि प्रतियोगिताएँ चलायी जा रही हैं। इसके अलावा कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। स्वास्थ्य परिरक्षा के संबध में हिंदी वाक् - पटुता प्रतियोगिता भी आयोजित करेंगे। नवंबर महीने के अंत में आयोजित होनेवाले हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के साथ हिंदी म्यूज़िक नाइट भी चलाए जाएंगे।

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के उप निदेशक डॉ.सुनिता देवी यादव, एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कंपनी सचिव श्री पी.श्रीकुमार, डॉ.वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी) भी समारोह में भाग लिए।

एक नज़र

अक्तूबर 27 को निगमित आर & डी केंद्र में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह में पधारे श्री विल्सन.एम.पॉल (भूतपूर्व डी जी पी, निदेशक, सतर्कता एवं एंटी करेप्शन ब्यूरो)।

अक्तूबर 1 को आयोजित थिंक टैंक लेक्चर्र सीरीस में 'जल वितरण और नियंत्रण में उपग्रह एवं सेन्सिंग तकनीक का योगदान' विषय पर क्लास लेते हैं डॉ.वीरेंद्र एम.तिवारी (नैशनल सेंटर फोर एर्थ साइन्स स्टडीस)

अक्तूबर 27 को एचएलएल कॉर्पोरेट मुख्यालय में आयोजित सतर्कता सप्ताह समारोह प्रतिज्ञा का दृश्य।